कानपुर। रविवार • 17 अप्रैल • 2022

राष्ट्रीय सहारा

गेहूं की नई 'के 1317' प्रजाति उत्पादकता में बेहतर

कानपुर। गेहूं की नई कम पानी चाहने वाली 'के 1317' प्रजाति उत्पादकता में वेहतर होने के कारण किसानों को लुभा रही है। विवि ने इस प्रजाति को किसानों तक पहुंचाने के क्रम में इसकी प्रथम पंक्ति प्रदर्शन खेती कराई है, जिसे देखकर किसान उक्त नई प्रजाति की गेहूं लगाने की वात कह रहे हैं। सीएसए कृषि विवि के अधीन संचालित अनौगी कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ग्राम सियरमऊ में किसान रामनाथ पाल के खेत पर गेहूं की 'के 1313' प्रजाति की प्रथम पंक्ति प्रदर्शन वुवाई की गई थी। विवि द्वारा सियरमऊ में शनिवार को आयोजित प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम के मौके पर क्षेत्रीय किसानों को वुलाकर गेहूं की प्रदर्शन खेती दिखाई गई, फसल देखकर किसानों ने प्रसन्नता जताई। प्रमुख किसानों में शैलेष सिंह, अमर सिंह, सर्वेश सिंह आदि मौजूद रहे। सस्य वैज्ञानिक डॉ. विनोद कुमार सिंह का कहना है कि यह प्रजाति समय से वोवाई हेतु उत्तम व कम पानी चाहने वाली प्रजाति है। इससे 60 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार ली जा सकती है। उन्होंने प्रदर्शन देखने आये किसानों को वताया कि गेहूं की यह नई प्रजाति जिले की जलवायु हेतु वहुत अच्छी सावित हुई है। इसकी वोवाई कच्चा आलू खोदकर भी करने से उत्पादकता पर खराव प्रभाव नहीं पड़ता है। इस कारण अभी भी गेहूं की वालियों में दाने पूरे भरे हुए, मोटे व सफेद हैं। इसकी रोटियां भी सुंदर व स्वादिष्ट होती हैं। उन्होंने कहा कि जिले में इस प्रजाति के प्रसार की असीम संभावनाएं हैं। क्योंकि यह प्रजाति आलू, गेहूं-मक्का, फसल चक्र में भी वढ़िया से समायोजित हो जा रही है।

tha hindi news

गेहूं की प्रजाति के 1317 की उत्पादकता बेहतर -डॉ विनोद दोहरे

thahindinews - 4/16/2022 04:11:00 PM

विपिन सागर (मुख्य संपादक)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनौगी स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा।
ग्राम सियरमऊ में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत उगाए गए गेहूं की के -1317 प्रजाति के प्रदर्शन देखने हेतु दर्जन भर से ज्यादा किसान भाई आए। जिसका आयोजन किसान श्री रामनाथ पाल के खेत किया गया। गेहूं की प्रजाति के -1317 की फसल पर आयोजित प्रक्षेत्र दिवस में शामिल ग्राम वासियों ने फसल देख काफी प्रशंसा की। इस प्रदर्शन व प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन सस्य वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार ने किया है। डॉ विनोद कुमार का कहना है कि यह प्रजाति समय से बोवाई हेतु उत्तम मगर कम पानी चाहने वाली प्रजाति है। जिससे 60 कुंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार ली जा सकती है। उन्होंने प्रदर्शन देखने आए किसानों को बताया कि यह नई प्रजाति जनपद की जलवायु हेतु बहुत अच्छी शाबित हुई है। जिसकी बोवाई कच्चा आलू खोद कर भी करने से उत्पादकता पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। इस कारण अभी भी गेहूं की बालियों में दाने पूरे भरे हुए, मोटे व सफेद हैं। इसकी रोटियां भी स्वादिष्ट और सुंदर होती हैं। डॉ विनोद कुमार ने बताया कि जनपद में यह प्रजाति के प्रसार की असीम संभावनाएं हैं। क्योंकि यह प्रजाति आलू गेहूं-मक्का फसल चक्र में भी बढ़िया से समाहित हो जा रही है। इस अवसर पर किसान श्री शैलेस सिंह, श्री अमर सिंह, श्री सर्वेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

के-1317 प्रजाति के गेहूं की उत्पादकता बेहतर

कानपुर, 16 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनौगी स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम सियरमऊ में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत उगाए गए गेहूं की के -1317 प्रजाति के प्रदर्शन देखने हेतु दर्जन भर से ज्यादा किसान भाई आए। जिसका आयोजन किसान श्री रामनाथ पाल के खेत किया गया। गेहूं की प्रजाति के -1317 की फसल पर आयोजित प्रक्षेत्र दिवस में शामिल ग्राम वासियों ने फसल देख काफी प्रशंसा की। इस प्रदर्शन व प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन सस्य वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार ने किया है।

गेहू की फसल के साथ किसान व वैज्ञानिक।

60 कुंतल प्रति हेक्टेअर रही गेहूं की फसल

डॉ विनोद कुमार का कहना है कि यह प्रजाति समय से बोवाई हेतु उत्तम मगर कम पानी चाहने वाली प्रजाति है। जिससे 60 कुंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार ली जा सकती है। उन्होंने प्रदर्शन देखने आए किसानों को बताया कि यह नई प्रजाति जनपद की जलवायु हेतु बहुत अच्छी शाबित हुई है। जिसकी बोवाई कच्चा आलू खोद कर भी करने से उत्पादकता पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। इस कारण अभी भी गेहूं की बालियों में दाने पूरे भरे हुए, मोटे व सफेद हैं। इसकी रोटियां भी स्वादिष्ट और सुंदर होती हैं। डॉ विनोद कुमार ने बताया कि जनपद में यह प्रजाति के प्रसार की असीम संभावनाएं हैं। क्योंकि यह प्रजाति आलू गेहूं-मक्का फसल चक्र में भी बढ़िया से समाहित हो जा रही है। इस अवसर पर किसान श्री शैलेस सिंह, श्री अमर सिंह, श्री सर्वेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

गेहूं की के-1317 प्रजाति पर नहीं पड़ा गर्मी का असर

जांस, कानपुर : भीषण गर्मी से जहां गेहूं की आम प्रजातियों में दाने सिकुड़ गए हैं, वहीं सीएसए विवि की ओर से विकसित के-1317 प्रजाति पर गर्मी का असर नहीं पड़ा है। शनिवार को विवि के अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानियों ने सियरमऊ गांव में फसल का निरीक्षण किया।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

टिश पीएम बोरिस जॉनसन की रूस में एंट्री बैन 12

ढाई लाख करोड़ का बंदरबांट कर लेते सपा... 05

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 183
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | रविवार | 17 अप्रैल, 2022

फास्ट फॉरवर्ड ⏭

ग्राम सियरमऊ में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित अनौगी स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम सियरमऊ में शनिवार को प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। जिसमे प्रथम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत उगाए गए गेहूं की के–1317 प्रजाति के प्रदर्शन देखने के लिए दर्जन भर से ज्यादा किसान आए। इस प्रदर्शन व प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन सस्य वैज्ञानिक डॉ. विनोद कुमार ने किया।डॉ. कुमार ने बताया कि यह प्रजाति समय से बुवाई के लिए उत्तम है लेकिन कम पानी चाहने वाली प्रजाति है। जिससे 60 कुंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार ली जा सकती है। उन्होंने प्रदर्शन देखने आए किसानों को बताया कि यह नई प्रजाति जनपद की जलवायु के लिए बहुत अच्छी शाबित हुई है। जिसकी बुवाई कच्चा आलू खोद कर भी करने से उत्पादकता पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। इस कारण अभी भी गेहूं की बालियों में दाने पूरे भरे हुए, मोटे व सफेद हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में यह प्रजाति के प्रसार की असीम संभावनाएं हैं। यह प्रजाति आलू गेहूं–मक्का फसल चक्र में भी बढ़िया से समाहित हो जा रही है। इस अवसर पर किसान शैलेस सिंह, अमर सिंह, सर्वेश सिंह आदि मौजूद रहे।

News Expert

14h ·

गेहूं की प्रजाति के 1317 की उत्पादकता बेहतर -डॉ विनोद दोहरे

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित अनौगी स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम सियरमऊ में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत उगाए गए गेहूं की के -1317 प्रजाति के प्रदर्शन देखने हेतु दर्जन भर से ज्यादा किसान भाई आए। जिसका आयोजन किसान श्री रामनाथ पाल के खेत किया गया। गेहूं की प्रजाति के -1317 की फसल पर आयोजित प्रक्षेत्र दिवस में शामिल ग्राम वासियों ने फसल देख काफी प्रशंसा की। इस प्रदर्शन व प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन सस्य वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार ने किया है। डॉ विनोद कुमार का कहना है कि यह प्रजाति समय से बोवाई हेतु उत्तम मगर कम पानी चाहने वाली प्रजाति है। जिससे 60 कुंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार ली जा सकती है। उन्होंने प्रदर्शन देखने आए किसानों को बताया कि यह नई प्रजाति जनपद की जलवायु हेतु बहुत अच्छी शाबित हुई है। जिसकी बोवाई कच्चा आलू खोद कर भी करने से उत्पादकता पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। इस कारण अभी भी गेहूं की बालियों में दाने पूरे भरे हुए, मोटे व सफेद हैं। इसकी रोटियां भी स्वादिष्ट और सुंदर होती हैं। डॉ विनोद कुमार ने बताया कि जनपद में यह प्रजाति के प्रसार की असीम संभावनाएं हैं। क्योंकि यह प्रजाति आलू गेहूं-मक्का फसल चक्र में भी बढ़िया से समाहित हो जा रही है। इस अवसर पर किसान श्री शैलेस सिंह, श्री अमर सिंह, श्री सर्वेश सिंह आदि उपस्थित रहे।